OFFICE OF THE PRINCIPAL GOVT. KAMLADEVI RATHI MAHILA PG MAHAVIDYALAYA
RAJNANDGAON (C.G.)
Web site – www.govtkdmcollegerjn.com
Email –kamlacollege.rjn@gmail.com
Phone No. – 07744-225171
Fax No. – 07744-225171

POLICY DOCUMENT FOR CLEAN AND GREEN CAMPUS

GOVT. KAMLADEVI RATHI MAHILA P.G. MAHAVIDYALAYA, RAJNANDGAON (C.G.)

Govt. Kamladevi Rathi Mahila Mahavidyalaya campus is spread over12.79 acres, catering to over 2540 students, 26 faculty and more than 19 staff members of various levels. The college has lush green and attractive campus appreciated by visitors.

The policy for a clean and green campus visualizes setting a national benchmark for socially and enviourmentally sustainable premises, through action plan involving enviournmental awareness, education management and conservation from where" liberation through knowledge" is realized . The goal is directed to reduce carbon footprint, energy consumption, waste management and transforming the college landscape into green.

Objectives

1. To impart understanding about the importance of enviournment in students and all stakeholders and accountability to take enviournment friendly initiative to save enviournment.
2. To facilitate student to small steps in protecting and conserving the enviournment and sustain natural resources within the campus.
3. To continuously improve our contribution to climate protection and adaptation to climare change and to conservation of global resources.

SCOPE OF THE POLICY

The clean and Green campus will incorporate co-curricular and extracurricular practices that will encourage students to take the lead in creating positive change .The focus areas will be as follows :-

1. Clean Campus initiatives.
2. Waste management process which includes-
   a. Solid waste management
   b. Liquid waste management
   c. E-waste management
3. Rain water harvesting
4. Green audit.
5. Energy audit
6. Restricted automobiles.

Principal
Govt. Kamla Devi Rathi Mahila PG
Mahavidyalaya, Rajnandgaon (C.G.)

कमला कॉलेज परिसर में प्रोफेसर, छात्राओं व एनससीसी कैडेटों ने निभाई सहभागिता

रोपे 250 पौधे, भविष्य के लिए शुद्ध आक्सीजन का बंदोबस्त

हरित प्रदेश
पत्रिका

राजनादगांव @ पत्रिका. 'पत्रिका' का हरित प्रदेश अभियान लगातार जारी है। शनिवार को शहर के कमला देवी राठी महिला महाविद्यालय में पौधरोपण किया गया। इसके अलावा कुछ और संस्थानों में भी धरती को हरा-भरा बनाने के लिए पौधरोपण किया गया। कमला कॉजेज में फलदार, छांवदार पौधों के साथ बहुतायत मात्रा में औषधि पौधे रोपे गए। कार्यक्रम कॉलेज के प्रोफेसर व पर्यावरणविद डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में चला। यहां प्रभारी प्राचार्य [illegible] के अलावा कॉलेज के अन्य प्रोफेसर केके द्विवेदी, डॉ. एचके गरचा, डॉ. जीपी रात्रे, डॉ. निवेदिता, डॉ. नीता

Principal
Govt. Kamla Devi Rathi Mahila PG
Mahavidyalaya, Rajnandgaon (C.G.)

कमलादेवी महिला महाविद्यालय परिसर में किया गया पौधरोपण कार्यक्रम

पर्यावरण के लिए पौधरोपण जरूरी

शिक्षकों के साथ छात्रों ने रोपे पौधे

पौधे रोपने के लिए किए गए गड्ढे

आंगनबाड़ी के बच्चों, गांव के युवा और ग्रामीणों ने निभाई पौधरोपण में सहभागिता

बच्चों की तरह देखरेख कर पौधों को बनाना पड़ता है पेड़

हरित प्रदेश पत्रिका

पत्रिका पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

राजनांदगांव. 'पत्रिका' के हरित प्रदेश अभियान के तहत शुक्रवार को जिला मुख्यालय से करीब 25 किमी दूर ग्राम भोथीपार कला में वृहद रूप से पौधरोपण किया गया। यहां आंगनबाड़ी परिसर सहित गांव के अन्य सार्वजनिक जगहों और घरेलू बाड़ी में पौधरोपण के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सौ से अधिक पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में गांव के युवा, यूनिसेफ से जुड़े पदाधिकारी व युवा मित्रों के अलावा, गायत्री परिवार, आंगनबाड़ी के बच्चे और ग्रामीणों ने सहभागिता निभाई। इस दौरान सफाई को लेकर भी विस्तृत जानकारी देते हुए लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपने और साफ-सफाई के लिए जागरुक किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कमला कॉलेज प्रोफेसर व पर्यावरणविद डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव ने कहा कि पौधे रोपना तो आसान है, लेकिन उसे बच्चों की तरह पालन-पोषण कर पेड़ बनाना कठिन कार्य है। इसलिए पौधों को रोपकर भूलना नहीं है, उसे बड़ा करने की जिम्मेदारी भी आपकी है। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टिकोण से ग्रामीणों को अपने खेत-खलिहान व बाड़ी में अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा उन्होंने पौधों के उन प्रजातियों के बारे में भी बताया, जिसे गाय-भैंस और भेड़-बकरी नहीं खाते। इन पौधों को रोपकर भी पर्यावरण को हरा-भरा बनाने की बात कही। ऐसे पौधों में अंडी, महानीम व निरगुंडी जैसे पौधों को अहम बताया। ये पौधे औषिधीय गुण वाले भी होते हैं। उन्होंने गांव में मुनगा, आम, नीम, अमलतास, गिलोय, शहतूत, कपास, अडूसा, नेगुर, फुरहड़, करंज सहित अन्य फूलदार व शोदार पौधों का रोपण करने लोगों को प्रेरित किया। इन पौधों के औषधीय गुण व लाभ के बारे में बच्चों व ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी। पौधों की कमी से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के बारे में बच्चों को बताया गया। पौधरोपण के दौरान दीपक बाफना, थानसिंग वर्मा, गीतेश यादव, हेमंत यादव, प्रभा साहू, प्रभा यादव, तारणी नेताम, पामेश्वरी वर्मा, रोशनी, दामनी साहू, ज्योति साहू, [illegible] वर्मा, लता बाई व[illegible] ललिता बाई, पेमेंद्र वर्मा, निले[illegible] चौहान, कुमार साहू, अर्जुन सिंह [illegible] साहू व [illegible] वर्मा [illegible]

Principal
Govt. Kamla Devi Rathi Mahila PG
Mahavidyalaya, Rajnandgaon (C.G.)

पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी अहम बातें

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद संकुल समन्वयक मनसुक वर्मा ने भी बच्चों को पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी अहम बातें बताईं। उन्होंने कहा कि युवा बच्चे आने वाली पीढ़ी है, यही कल के युवा होंगे और युवा यदि जिद करें तो दुनिया बदलने की माद्दा रखते हैं। उन्होंने कहा कि इसमें मीडिया की भूमिका भी अहम होगी। उन्होंने गांव में आसपास फैली गंदगी को लेकर भी चिंता जाहिर की। कहा कि बच्चे यदि इसकी सफाई में उतरे, तो माता-पिता उन्हें देखकर गांव में गंदगी नहीं फैलाएंगे, क्योंकि उस गंदगी को उनके ही बच्चे साफ करेंगे, तो उन्हें गंदगी करना अच्छा नहीं लगेगा। इससे लोगों में [illegible]कता आएगी। कार्यक्रम को यूनिसेफ से जुड़े सीख कार्यक्रम के जिला प्रबंधक देवेंद्र सिंह राजपूत ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम बच्चों को सीखाने का प्रयास कर रहे। इन्हें देखकर परिजन [illegible] गायत्री परिवार से मौजूद अहिल्या [illegible] कि इन पौधों को आप माता-पिता बनकर सीचेंगे और बड़ा करेंगे।

जन्मदिन का खास बनाने पहुंचे अपने कर्मभूमि में

दरअसल गांव में पौधरोपण कार्यक्रम का पूरा संयोजन गांव के प्राथमिक शाला में दस साल से भविष्य गढ़ने का काम कर रहे शिक्षक खिलेंद साहू का था। सरकारी छुट्टी होने के बाद भी उन्होंने गांव में पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित कराया, क्योंकि 9 अगस्त को उनका जन्मदिन भी था, उनकी दिली इच्छा थी कि वे अपने जन्मदिन पर पौधरोपण करें और लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों को सिर्फ किताबी ज्ञान देने से कुछ नहीं होगा, बल्कि उन्हें संस्कारित भी करने की जरूरत है। उन्हें देश-दुनिया में हो रहे बदलाव के साथ पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरुक करना हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में शाला परिवार एवं युवा साथियों के अलावा ग्रामवासियों का सहयोग रहा।

लखोली में किया गया पौधरोपण

लखोली सामुदायिक भवन परिसर में पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों को बायोमेट्रीक एवं रूपे कार्ड के माध्यम से पेंशन राशि का भुगतान करने वाले फिनो पेमेंट आईसीआईसीआई बैंक के अधिकारियों ने वार्ड पार्षद गिरिजा संतोष निर्मलकर के साथ पौधा रोपण किया और इसे वृक्ष बनने तक संरक्षण करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पार्षद निर्मलकर ने कहा कि नगर पालिक निगम द्वारा शहर में एक लाख पौधे रोपे जाने की कड़ी में लखोली स्कूल मैदान एवं सामुदायिक भवन परिसर में पौधा रोपण किया जा रहा है।

दैनिक भास्कर

हरियाली लाने कमला कॉलेज में 100 फलदार और छायादार पौधे लगाए गए

भारतीय संस्कृति में 1 पौधे लगाना 10 पुत्रों के समान माना गया है: प्राचार्य

भास्कर न्यूज | राजनांदगांव

शासकीय कमला देवी राठी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय के पर्यावरण संरक्षण समिति के तत्वावधान में सोमवार को आओ हरियाली की चादर फैलाएं अभियान के अंतर्गत लगभग 100 फलदार और छायादार तथा औषधीय पौधों का रोपण महाविद्यालय परिसर में किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका निगम के आयुक्त चंद्रकांत कौशिक ने पौधारोपण करने के बाद कहा कि नगर में 1 लाख पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है। शहर के सभी कॉलोनियों, सभी मार्गों तथा पार्कों में पौधरोपण का वृहद अभियान चलाया जा रहा है। सभी नागरिकों से मेरी अपील है कि राजनांदगांव शहर को हराभरा करने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौध रोपण करें और पौधों को बचाएं। गर्मियों में पौधों में पानी भी डालें। कॉलेज की प्राचार्य डॉ.सुमन सिंह बघेल ने कहा कि पौधे पर्यावरण संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय संस्कृति में एक पौधा लगाना 10 पुत्रों के समान माना गया है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. एमएल साव, डॉ.जयसिंग साहू, आलोक जोशी, एसएन वानखेड़े, डॉ.नीता एस नायर, डॉ.बसंत सोनबेर, आबेदा बेगम, ममता आर देव, डॉ.निवेदिता ए लाल, केके द्विवेदी, एमके मेश्राम, डॉ.सुषमा तिवारी, रेणु त्रिपाठी और छात्र छात्राओं ने पौधरोपण किया।

राजनांदगांव. कॉलेज के महिला प्रोफेसरों ने किया पौधरोपण।

15 जुलाई तक किया जाएगा पौधों का वितरण: कॉलेज पर्यावरण संरक्षण समिति के संयोजक डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा सात जुलाई से 15 जुलाई तक लगातार 9 दिनों तक विभिन्न तरह के औषधीय, फलदार और अन्य प्रजातियों के पौधों व प्लांटिंग मटेरियल का वितरण किया जा रहा है। जिसे शहर और गांवों के लोग ले जा रहे हैं और अपने गांवों के आस-पास लगा रहे हैं।

Principal
Govt. Kamla Devi Rathi Mahila PG
Mahavidyaleya, Rajnandgaon (C.G.)

वृक्षासन / ध्रुवासन
Principal
Govt. Kamla Devi Rathi Mahila PG
Mahavidyalaya, Rajnandgaon (C.G.)

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
Kamla College Rajnandangaon, Chhattisgarh Rajnandgaon 491441
Chhattisgarh, Srishti Colony, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.088959°
Long 81.018683°
04/08/21 10:59 AM
Kamala College Rd
SHTI COLONY
Google

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
Kamala College Rd, Srishti Colony, Rajnandgaon,
Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.08877°
Long 81.017934°
04/08/21 11:12 AM
College Rd
SRISHTI COLONY
Google

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
Kamala College Rd, Srishti Colony, Rajnandgaon,
Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.08877°
Long 81.017935°
04/08/21 11:12 AM
College Rd
SRISHTI COLONY
Google